



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 5 फरवरी, 2003/16 माघ, 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

धर्मशाला, 18 जनवरी, 2003

संख्या पंच-के० जी० आर०/(निर्वाचन)-33-(1)/2001-423-36.---उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियमावली, 1997 के नियम 135(1) व (2) के अधीन प्राप्त है, मैं, हेम राज शर्मा, शर्मा, जिन्हा पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला निम्न सारणी अनुसार ग्राम पंचायत पदाधिकारियों द्वारा अपने पद से दिए गए त्याग पत्रों को इस आदेश के दिनांक से स्वीकृत करता हूँ :—

क्र० संख्या	विकास खण्ड का नाम	ग्राम पंचायत का नाम	पदाधिकारी का नाम व पद	वार्ड नं०	त्याग-पत्र का दिनांक
1	2	3	4	5	6
1.	कांगड़ा	रजियाणा 53 मील	श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र सुरेश कुमार, सदस्य	2	24-9-2002
2.	नगरोटा सूरियां	हरसर	श्रीमती आशा रानी पत्नी रमेश चन्द, सदस्य	3	25-8-2002

1	2	3	4	5	6
3.	—	डोल	श्री ठाकुर सिंह, सदस्य	1	27-11-2002
4.	प्रागपुर	कुहना	श्री शिव कुमार, सदस्य	2	25-11-2002
5.	पंचफवी	मकोल	श्री सरवन कुमार, सदस्य	4	6-12-2002

हेम राज शर्मा,
जिला पंचायत अधिकारी,
कांगड़ा स्थित धर्मशाला (हि० प्र०)।

कार्यालय उपायुक्त सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

सोलन, 16 जनवरी, 2003

संख्या सोलन-3-76 (पंच)/2002-166-71.—यह कि श्री देवीन्द्र कुमार, सदस्य वार्ड नं० 1, ग्राम पंचायत बखलग, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 के खण्ड (ग) की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जो निम्न है:—

(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित सन्तान है। परन्तु खण्ड (न) के अधीन निर्हरता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथा स्थिति हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने की तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ की एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित सन्तान है। अब तक एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और सन्तान नहीं होती।

अतः क्योंकि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000, 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ग) का प्रावधान 8 जून, 2001 से प्रभावी होता है।

यह कि विकास खण्ड अधिकारी कुनिहार ने अपने पत्र संख्या के० बी० (पंच) 75/2001-6-578 दिनांक 28-12-2002 द्वारा सूचित किया है कि श्री देवीन्द्र कुमार, सदस्य वार्ड नं० 1, ग्राम पंचायत बखलग, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश के 8 जून, 2001 के पश्चात् दो से अधिक तीसरी सन्तान दिनांक 18-6-2001 को हुई है। जिसके कारण हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ग) के प्रावधान अनुसार सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य हो गये हैं।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप इस नोटिस के प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर-भीतर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त वर्णित अयोग्यता के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (1) (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये।

कार्यालय आदेश

सोलन, 16 जनवरी, 2003

संख्या एस० एल० एन०-392 (पंच)/92-160-65.—खण्ड विकास अधिकारी कुनिहार, जिला सोलन ने उनके पत्र संख्या के० बी० (पंच) 75/2001-6057, दिनांक 7-10-2002 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया

है कि उनके खण्ड से ग्राम पंचायत मांगल (कन्धर) से श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री परम राम, गांव महनाली, वार्ड संख्या 5 के दो से अधिक सन्तान हुई है। जिसके कारण वह हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) के अन्तर्गत सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य हो गए हैं। खण्ड विकास अधिकारी के उपरोक्त वर्णित पत्र के साथ श्री सुरेश कुमार, सदस्य ग्राम पंचायत मांगल (कन्धर) द्वारा स्वेच्छा से तीन बच्चे होने के कारण दिये गए त्याग-पत्र की प्रति भी साथ संलग्न कर भेजी है।

उपरोक्त तथ्यों के पुष्टी हेतु जिला पंचायत अधिकारी के खण्ड विकास अधिकारी को लिखे पत्र संख्या सोलन-3-76 (पंच) 2002/2458, दिनांक 14-10-2002 द्वारा उक्त सदस्य के परिवार रजिस्टर की प्रति मंगवाई गई थी। जो अब खण्ड विकास अधिकारी कुनिहार ने अपने पत्र संख्या के० बी० (पंच) 75/2001-6-578, दिनांक 26-12-2002 द्वारा जिला पंचायत अधिकारी सोलन को भेजी है। जिसमें उनके पुत्र दिनांक 1-7-2001 को हुआ है। जिसका परिवार रजिस्टर में इन्द्राज दिनांक 15-7-2001 को हुआ है।

अतः मैं, भरत खेड़ा (भा० प्र० से०), उपायुक्त सोलन, जिला सोलन (हि० प्र०) उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की धारा 122 (1) के खण्ड (ण) व (2) के अधीन प्राप्त है तथा श्री सुरेश कुमार, द्वारा स्वेच्छा से दिए गये त्यागपत्र को देखते हुए श्री सुरेश कुमार ग्राम पंचायत मांगल (कन्धर) विकास खण्ड कुनिहार वार्ड नं० 5 को तत्काल सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ तथा हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम की धारा 131 (1) के प्रावधान के अनुपालना में ग्राम पंचायत मांगल (कन्धर), विकास खण्ड कुनिहार के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

कारण वक्ताओ नोटिस

सोलन, 16 जनवरी, 2003

संख्या सोलन-3-76 (पंच०)/2002-148-53.—यह कि श्रीमती हिमा देवी, सदस्य वार्ड नं० 3 ग्राम पंचायत संघोई, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन (हि० प्र०) पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 के खण्ड (ण) की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जो कि निम्न है :—

(ग) यदि उसके दो से अधिक जीवित संतान है। परन्तु खण्ड (न) के अधीन निर्हरता उस व्यक्ति को लागू नहीं होगी जिसके यथा स्थिति (हि० प्र०) पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 के प्रारम्भ होने के तारीख पर या ऐसे प्रारम्भ के एक वर्ष की अवधि के भीतर दो से अधिक जीवित संतान है। जब तक एक वर्ष की अवधि के पश्चात् और संतान नहीं होती।

अतः क्योंकि हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2002, 8 जून, 2001 को लागू हो चुका है तथा धारा 122 के खण्ड (ण) का प्रावधान 8 जून, 2001 से प्रभावी होता है।

यह कि विकास खण्ड अधिकारी, कुनिहार ने अपने पत्र संख्या के० बी० (पंच०) 75/2001-6-578 दिनांक 26-12-2002 द्वारा सूचित किया है कि श्रीमती हिमा देवी, सदस्य वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत संघोई, विकास खण्ड कुनिहार, जिला सोलन (हि० प्र०) के 8 जून, 2001 के पश्चात् दो से अधिक तीसरी संतान दिनांक 1-3-2002 को हुई है। जिसके कारण हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) के प्रावधान अनुसार सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य हो गये हैं।

अतः आपको निर्देश दिए जाते हैं कि आप इस नोटिस के प्राप्ति के 15 दिनों के अन्दर अन्दर लिखित रूप में अपना पक्ष प्रस्तुत करें कि उपरोक्त वर्णित अयोग्यता के दृष्टिगत क्यों न आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 131 (1) (क) के अधीन कार्यवाही अमल में लाई जाये।

कार्यालय आदेश

सोलन, 16 जनवरी, 2003

संख्या एस0 एल0 एन0-392 (पंच)/92-2002-154-59.—खण्ड विकास अधिकारी कुनिहार, जिला सोलन ने उनके पत्र संख्या के0 बी0 (पंच) 75/2001-6057, दिनांक 7-10-2002 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनके खण्ड के ग्राम पंचायत मांगल (कन्धर) से श्री बाबू राम पुत्र श्री सुन्दर राम, गांव कोल, वार्ड संख्या 1 के दो से अधिक सन्तान हुई है। जिसके कारण वह हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ग) के अन्तर्गत सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य हो गए हैं। खण्ड अधिकारी के उपरोक्त वर्णित पंच के साथ श्री बाबू राम, सदस्य ग्राम पंचायत मांगल (कन्धर) द्वारा स्वेच्छा से चार बच्चे होने के कारण दिए गए त्याग-पत्र की प्रति भी साथ संलग्न कर भेजी है।

उपरोक्त तथ्यों के पुष्टि हेतु जिला पंचायत अधिकारी के खण्ड विकास अधिकारी को लिखे पत्र संख्या सोलन-3-76 (पंच) 2082/2458, 14-10-2002 द्वारा उक्त सदस्य के परिवार रजिस्टर की प्रति मंगवाई गई थी जो अब खण्ड विकास अधिकारी कुनिहार ने अपने पत्र संख्या के0 बी0 (पंच) 75/2001-6-578, दिनांक 26-12-2002 द्वारा जिला पंचायत अधिकारी सोलन को भेजा है जिसमें उनकी पुत्री दिनांक 6-6-2002 को हुई है। जिनका परिवार रजिस्टर में इन्द्राज दिनांक 10-6-2002 को हुआ है।

अतः मैं, भरत खेड़ा (भा0 प्र0 से0), उपायुक्त सोलन, जिला सोलन इन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) के खण्ड (ग) व (2) के अधीन प्राप्त है तथा श्री बाबू राम द्वारा स्वेच्छा से दिए गए त्याग-पत्र को देखते हुए श्री बाबू राम सदस्य, विकास खण्ड कुनिहार, ग्राम पंचायत मांगल (कन्धर), वार्ड नं0 1 को तत्काल सदस्य पद पर आसीन रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 131 (1) के प्रावधान के अनुपालना में ग्राम पंचायत मांगल (कन्धर), विकास खण्ड कुनिहार, के सदस्य पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

सोलन, 16 जनवरी, 2003

संख्या एस0 एल0 एन0-392 (पंच)/92-172-77.—खण्ड विकास अधिकारी धर्मपुर, जिला सोलन ने उनके पत्र टी0 बी0 डी0 (पंच) 2002-2003-30 दिनांक, 6-1-2003 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया जाता है कि उनके विकास खण्ड से श्रीमती देवकू की मृत्यु (वार्ड पंच, वार्ड नं0 4, ग्राम पंचायत कोटबेड़ा) दिनांक 2-10-2002 को होने के फलस्वरूप उनका पद रिक्त हो गया है।

अतः मैं, भरत खेड़ा, उपायुक्त सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131 (2) ब (4) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त वर्णित स्थान को उपरोक्त दर्शाई गई तिथि से रिक्त घोषित करता हूँ।

भरत खेड़ा,
उपायुक्त सोलन,
जिला सोलन (हि0 प्र0)।